ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आइ.एस.ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020) 6122271, 6123436, 6127545, 6125030
रेलवे - 5860 5870

छात्रावास - डी ओ टी (020) 6130579, 6126816, 6121669, रेलवे 5896 5897 5898

फैक्स : 020-6128677
ई-मेल : dr-office@iricen.railnet.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.com

वर्ष - 5 | अंक - तृतीय | जुलाई - सितम्बर 2001

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) 'डेमिंग मैनेजमेन्ट एप्रोच' पर सेमिनार
2) परिवीक्षार्थियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण
3) प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार
4) स्वतंत्रता दिवस समारोह
5) भा. रे. इं. से. के परिवीक्षार्थियों का नया बैच
6) आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के अंतर्गत गतिविधियां
7) तिमाही में सम्पन्न जारी पाठ्यक्रम
8) हिंदी दिवस समारोह
9) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
10) स्वागत
11) विदाई
12) आपके पत्र
13) सृजन

1 'डेमिंग मैनेजमेन्ट एप्रोच' पर सेमिनार :-

संस्थान में दि. 10 जुलाई को भारतीय रेल यांत्रिक एवं विद्युत इंजीनियरी संस्थान (इरिमी), जमालपुर के तत्वावधान में डेमिंग मैनेजमेन्ट एप्रोच के परिचय पर एक सेमिनार सम्पन्न हुआ। प्रोफेसर हेनरी नीव, प्राध्यापक - प्रबंधन, नाटिंघम ट्रेन्ट यूनिवर्सिटी, यू. के. ने इस सेमिनार में व्याख्यान दिया तथा पारस्परिक विचार - विनिमय के सत्र का संचालन किया। भारतीय रेल के 22 अधिकारियों ने इस सेमिनार में अपनी उपस्थिति दर्ज की। सेमिनार के प्रबंध एवं इस दौरान आयोजित व्यवस्थाओं की सभी प्रतिभागियों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

2 परिवीक्षार्थियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण :-

संस्थान में भा. रे. इं. से. के परिवीक्षार्थियों को सिविल इंजीनियरी के विविध पहलूओं का सैध्दान्तिक ही नहीं, अपितु व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। समय - समय पर परिवीक्षार्थियों के लिए 'डेमान्स्ट्रेशन' आयोजित किए जाते हैं

संपादकीय . . . . . .

पांचवे वर्ष का यह तृतीय अंक जब आपके हाथों में पहुंचेगा, तो हम इस नई सदी के प्रथम वर्ष के अवसान की बाट जोह रहे होंगे। किसी भी वर्ष का समापन आत्मावलोकन, आत्मपरीक्षण तथा समीक्षा करने का एक सुअवसर है। इस संधिकाल में जहां हमें अपनी कमियों तथा असफलताओं की समीक्षा करनी हैं, वहीं आगामी वर्ष हेतु नई योजनाएं भी बनानी हैं, नए लक्ष्य भी निर्धारित करने हैं।

संस्थान में आइ एस ओ - 9001 के कार्यान्वयन से प्रशिक्षण के क्षेत्र में गुणवत्ता में आशातीत सुधार तथा उन्नति हुई है तथा हमने अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का अभिकल्प करने में सफलता अर्जित की है। गुणवत्ता की प्राप्ति तथा उसे बनाए रखना एक सतत प्रक्रिया है। इस दिशा में हम उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है।

'सृजन' स्तंभ हेतु लगातार रचनाएं प्राप्त हो रही हैं, जिनमें कविताओं की भरमार हैं। अब आवश्यकता है कि तकनीकी विषयों पर छोटे - छोटे लेख, लघुकथाएं तथा संस्मरण आदि भी भेजें जाए। रचनाओं के साथ यह प्रमाण पत्र आवश्यक है कि ये आपकी सर्वथा मौलिक, अप्रकाशित एवं अप्रसारित रचना है।

'ज्ञानदीप' को अधिक उपयोगी तथा आकर्षक बनाए रखने में आपकी प्रतिक्रियाएं / सुझाव हमारी सहायता करते हैं। कृपया अपने विचारों से हमें अवगत कराते रहिए।

आगामी अंक मे पुनः भेट होगी, तब तक विदा ले रहा हूं।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
बुधप्रकाश	सुधीर कुमार जैन	विपिन पवार	राजेश जायसवाल
निदेशक	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक- प्रशिक्षण	राजभाषा सहायक ग्रेड I	सह प्राध्यापक
इरिसेन, पुणे			एम. बाबू, आर. जे. पाल

तथा 'फील्ड विजिट' कराए जाते हैं । संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भा. रे. इं. से. के परिवीक्षार्थियों को इस तिमाही में दक्षिण पूर्व रेलवे के सम्बलपुर - झारसुगुडा खंड में झारसुगुड़ा के निकट पुल सं. 7 पुल पुनर्स्थापन स्थल पर कैलेंडर हैमिल्टन स्पैन को बैठाने की प्रक्रिया का अवलोकन कराने के लिए एक विशेष वातानुकूलित 2 टियर शयनयान व्दारा ले जाया गया था । दक्षिण पूर्व रेलवे ने इस दौरे की आवश्यक व्यवस्थाएं की ।

3 प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार :-

दि. 1 तथा 2 अगस्त को प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार सम्पन्न हुआ । यह वह मंच है, जिस पर आगामी पाठ्यक्रम कैलेन्डर की तैयारी तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों की विषय वस्तु में सुधार तथा उन्नतियों के बारे में विस्तार से विचार विमर्श होता है । इस सेमिनार में ठेके एवं विवाचन अधिनियम के सामयिक विषयों, एम. एस. परियोजना साफ्टवेयर, बागवानी तथा लैंड स्कैपिंग पर प्रस्तुतिकरण भी सम्पन्न हुए ।

4 स्वतंत्रता दिवस समारोह :-

संस्थान में दि. 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया । प्रातः ध्वजारोहण के पश्चात एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें इरिसेन के अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों के अलावा प्रशिक्षु अधिकारियों ने भी भाग लिया ।



(चित्र में कु. संस्कृति सिन्हा, सुपुत्री डॉ. शैलेश कुमार सिन्हा, प्राध्यापक / इरिसेन नृत्य की एक मनमोहक मुद्रा में)

5 भा. रे. इं. से. के परिवीक्षार्थियों का नया बैच :-

संस्थान में दि. 3 सितम्बर को भा. रे. इं. से. 2000 परीक्षा समूह के 33 परिवीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की । दि. 3 से 14 सितम्बर तक दो सप्ताह के परिचयात्मक सत्र की समाप्ति के पश्चात उन्हें आधारभूत पाठ्यक्रम के लिए रेलवे स्टॉफ कॉलेज, वड़ोदरा में प्रतिनियुक्त किया गया ।

6 आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के अंतर्गत गतिविधियां :-

इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेन्ट वे इंजीनियर्स (इंडिया) पुणे चैप्टर के तत्वावधान में आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) व्याख्यान श्रृंखलाओं के एक भाग के रूप में श्री हितेश खन्ना, वरिष्ठ प्राध्यापक ने "रेल पथ मशीनों के परिनियोजन में रेल पथ देखभाल का उपयोग" विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया ।

7 तिमाही में सम्पन्न/जारी पाठ्यक्रम :-

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	पाठ्यक्रम निदेशक	कुल अधि-कारी
	से	तक			
110	18-06-01	31-08-01	समूह 'ख' अधिकारियों के लिए समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / रेल पथ - 2	35
104	09-07-01	27-07-01	भा.रे.इं.से. (परि.) 1999 बैच, चरण - 2, समूह - 2 के लिए कंप्यूटर पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	28
105	30-07-01	14-09-01	भा.रे.इं.से. (परि.) 1999 बैच, चरण - 2, समूह - 1 के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	35
125	02-07-01	04-07-01	भा. रे. का. से. (परि.) के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / कार्य	08
134	02-07-01	04-07-01	भा. रे. ले. से. (परि.) के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / कार्य	17
136	16-07-01	20-07-01	अवपथन जांच पड़ताल पर विशेष पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक / रेल पथ - 1	18
137	23-07-01	24-07-01	रेल पथ मॉनिटरिंग एवं टी एम एस पर विशेष पाठ्यक्रम	वरिष्ठ / प्राध्यापक रेल पथ - 2	23
138	30-07-01	10-08-01	पूर्व प्रतिबलित निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल	27
139	13-08-01	24-08-01	रेल पथ मशीनों के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / कंप्यूटर्स	21
140	27-08-01	31-08-01	झलाई एवं विभंजन पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / रेल पथ - 1	22
106	03-09-01	14-09-01	भा.रे.इं.से.(परि.) 2000 परीक्षा समूह के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / प्रशिक्षण	33
107	24-09-01	09-11-01	भा.रे.इं.से.(परि.) 1999 बैच, चरण -2, समूह -2, के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / प्रशिक्षण	23
115	17-09-01	19-10-01	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	वरिष्ठ प्राध्यापक / रेल पथ - 1	20
135	17-09-01	21-09-01	लंबी झलाईकृत रेलों एवं कंक्रीट स्लीपर रेल पथ के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / कंप्यूटर्स	23
141	26-09-01	28-09-01	भा. रे. भं. से. (परि.) के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / कार्य	12
156	24-09-01	29-09-01	इरकॉन के इंजीनियरों के लिए मात्रा सर्वेक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / कार्य	23
161	19-09-01	21-09-01	संविदा प्रबंधन पर विशेष पाठ्यक्रम (पश्चिम रेलवे के विद्युत विभाग के लिए)	प्राध्यापक / रेल पथ -2	17

8 हिंदी दिवस समारोह :-

संस्थान में दि. 14 सितम्बर को हिंदी दिवस समारोह मनाया गया । इस अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 72 वीं बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें दिनांक 30-06-2001 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई । बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक तथा समिति के पदेन अध्यक्ष श्री बुधप्रकाश ने की । उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री सुधीर कुमार जैन ने रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

9 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	अधिकारियों की कोटि
148	10-12-01	14-12-01	एप्लीकेशन सॉफ्टवेयरों एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर विशेष पाठ्यक्रम	अ. प्र. श्रे., व. वे. मा.
143	12-12-01	13-12-01	मुख्य रेल पथ इंजीनियर (मशीन) का सेमिनार	व. प्र. श्रे.
108	18-12-01	08-02-02	भा. रे. इं. से. (परि.) 2000 परीक्षा, चरण -1, समूह -1 के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	भा.रे.इं.से. (परि.)
149	17-12-01	21-12-01	ठेके एवं विवाचन पर विशेष पाठ्यक्रम	चयन श्रेणी, अ.प्र.श्रे., व.वे.मा.
160	24-12-01	28-12-01	रेल पथ मशीनों पर विशेष पाठ्यक्रम (डिजाइन मोड वर्किंग सहित)	व. मं. इं. जी./ मं. इंजी.
219	03-01-02	04-01-02	मुख्य सतर्कता अधिकारियों के लिए कार्यशाला	वरिष्ठ उप महाप्रबंधक/ मुख्य सत. अधि.
210	07-01-02	22-03-02	समेकित पाठ्यक्रम	समूह 'ख' अधिकारी
220	08-01-02	09-01-02	मुख्य रेल पथ इंजीनियरों के लिए सेमिनार	मु. रे. प. इंजी.
214	14-01-02	08-02-02	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	चयन श्रेणी, अ. प्र. श्रे.
201	11-02-02	22-02-02	भा. रे. इं. से. (परि.) 1999 परीक्षा समूह की तैनाती परीक्षा	भा. रे. इं. से. (परि.)
215	11-02-02	29-03-02	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	चयन श्रेणी, अ. प्र. श्रे.
221	25-02-02	08-03-02	प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम (पुल एवं निर्माण कार्य)	सिविल इंजी. प्रशिक्षक
222	04-03-02	15-03-02	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	सार्व. क्षेत्र के उपक्रम
223	18-03-02	19-03-02	1976 समूह के अधिकारियों के लिए स्थापन दिवस पर सेमिनार	1976 समूह के व.प्र.श्रे. अधिकारी
224	25-03-02	05-04-02	पूर्व प्रतिबलित निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम	संबंधित अधिकारी

10 स्वागत :-

श्री अनिल जैन ने दि. 16-03-1992 को मध्य रेलवे, मुम्बई में प्रधान नक्शानवीस के रूप में रेल सेवा में प्रवेश किया । दि. 12-12-2000 को समूह 'ख' सेवा में पदोन्नत होने पर मध्य रेलवे के केन्द्रीय इंजीनियरी कारखाना, मनमाड़ में सहायक कारखाना प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया । दि. 06-09-2001 से आपने संस्थान में सहायक कार्यकारी इंजीनियर-2 का पदभार ग्रहण कर लिया है । संरचनात्मक अभिकल्प आपकी रूचि/विशेषज्ञता का क्षेत्र है । इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है ।



श्री अनिल जैन

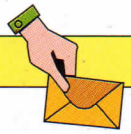
11 विदाई :-

श्री आलोक मित्तल, सहायक इंजीनियर - 2 दि. 07-09-2001 को इरिसेन से स्थानांतरित होकर वर्तमान में मध्य रेलवे के भोपाल मंडल पर सहायक मंडल इंजीनियर, इटारसी के रूप में कार्यरत हैं । इरिसेन परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है ।



श्री आलोक मित्तल

12 आपके पत्र :-



'ज्ञानदीप' आकर्षक है । मुद्रण उत्कृष्ट तथा भाषा विषयानुकूल, बधाई । यदि 'ज्ञानदीप' की पृष्ठ संख्या बढ़ाई जा सके तो बहुत अच्छा हो । सिविल इंजीनियरिंग में हुई नवीनतम शोध से परिचित कराने वाले आलेख भी प्रकाशित हो सकें तो संस्थान के मुखपत्र का वास्तविक दाभित्व निभाया जा सकेगा । एक बार फिर अत्युत्तम प्रकाशन के लिए बधाई ।

- नवीन चतुर्वेदी,
प्रधानाध्यापक - रेलवे स्कूल, डी-21/बी,
अपर लाइन, रेलवे कॉलोनी, जबलपुर (म.प्र.)

आपके संस्थान व्दारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका का अंक अप्रैल-जून 2001 मिला । आपकी पत्रिका मंडल को नियमित रूप से प्राप्त होती है । पत्रिका काफी आकर्षक एवं सारगर्भित होती है । पत्रिका में तकनीकी जानकारियों के अलावा साहित्यिक गतिविधियों को भी प्राथमिकता दी जाती है ।

- विश्राम ध्रुव
राजभाषा अधिकारी
मध्य रेलवे, भुसावल



(इरिसेन की कंप्यूटर प्रयोगशाला का एक दृश्य)

13 सृजन (रेल पर दो कविताएं)

एक : हम रेल चलाते हैं

शहर से शहर की दूरी को मिटाते हैं
जी हां ! हम रेल चलाते हैं,
हां जी ! हम रेल चलाते हैं ।
दुनिया के हर महकमें का काम
कभी न कभी रूक जाता है,
विशेष परिस्थिति में देश का
तिरंगा भी झुक जाता है,
हमारे अंदर कुछ करने का
हौसला पलता रहता है,
और हमारी रेल का चक्का
चौबीस घंटे चलता रहता है,
हम जवाबदारी से जवाबदारी निभाते हैं
जी हां ! हम रेल चलाते हैं .....
कोई दीवाली मनाने आता है
कोई ईद मनाने जाता है,
कोई क्रिसमस पर घर आता है
कोई बैसाखी गाने जाता है,
सबको अपनी-अपनी मंजिल पर पहुंचाती है
कौमी एकता के गीत गाती है,
और केवल अठारह घंटे में
मुम्बई से दिल्ली को मिलाती है,
तो हम ज़माने से ज़माने को जोड़ते जुड़ाते हैं,
जी हां ! हम रेल चलाते हैं .....
भीड़ उतरती है, चढ़ती है
व्यवस्था बनती है, बिगड़ती है,
जब बीमार बच्चे को छोड़कर
नाईट ड्यूटी करनी पड़ती है,
तो उस रात रेल पटरी पर नहीं
हमारे सीने पर चलती है,
बाबूजी ! इसके बाद भी हम
हंसते हैं, मुस्कुराते हैं,
जी हां ! हम रेल चलाते हैं .....
कोई कहता रेलवे वाले
सब ड्यूटी पर सोते हैं,
कोई कहता बाबू साले
कुर्सी पर नहीं होते हैं,
कोई कहता रेलवे वाले
तनखा ज्यादा पाते हैं,
कोई कहता रेलवे वाले
सब हराम की खाते हैं,
तो इतनी गाली सुनकर भी
हम केवल चुप रह जाते हैं,
जी हां ! हम रेल चलाते हैं .....
सारी रात गाड़ियां चलती
जब चप्पा-चप्पा सोता है,
और एक्सीडेन्ट कहीं भी हो
दर्द तो दिल में होता है,
तुरंत लाइन क्लियर करके
हम फिर से खड़े हो जाते हैं,
कर्म को ही भगवान मानकर
परिश्रम के फूल चढ़ाते हैं,
जी हां ! हम रेल चलाते हैं .....
हां जी ! हम रेल चलाते हैं .....

- *राजेन्द्र मालवीय*
तकनीशियन (स. मा. डि.)
भोपाल मंडल, इटारसी स्टेशन,
'साकार' तिरूपति नगर, इटारसी (म. प्र.)

दो : मैं हूं रेल

मैं हूं रेल
सौ साल से ऊपर मेरी आयु है,
भारत में -
बड़ा लंबा अनुभव है मेरा
अंग्रेज देखे
राजा देखे
गांधी नेहरू देखे
अनेक नेता / अभिनेता देखे,
निरीह जनता देखी,
भूखी नंगी मानवता देखी।
कभी चीखी
कभी चिल्लाई
शरारतों पर झल्लाई
पर/-
चलना न छोड़ा
दिन-ब-दिन गति बढ़ाई
उपयोगिता बढ़ाई
भारत में ।
हर दिन का बदलाव,
भाषा, क्षेत्र और अलगाव
मुझसे प्रेम का अभाव
बड़ा कष्ट देते हैं
पर/-
सह लेती हूं
एक मां की तरह
बाल हठ के खेल
मैं हूं रेल ।

- *सत्येन्द्र सिंह,*
राजभाषा अधिकारी, मध्य रेल, झाँसी

सुधीर कुमार जैन, उपमुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, प्रशिक्षण, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित एवं **मेसर्स एम. आर. एंड कंपनी,** सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4330449 द्वारा मुद्रित